18.11.24

Page-1

Tender Heart High School, Sector- 33 B, Chandigarh

कक्षा - नौवीं

विषय- हिन्दी व्याकरण शिक्षिका - श्रीमती कल्पना शर्मा

पुस्तक : सरस हिन्दी व्याकरण भाग नौ, दस

उपविषय : भाववाचक संज्ञा

सुप्रभात प्यारे बच्चो !

आज हम कक्षा नौवीं की हिन्दी व्याकरण की पाठ्य पुस्तक सरस हिन्दी व्याकरण भाग नौ एवं दस की पृष्ठ संख्या- 222 एवं 223 पर दिए भाववाचक संज्ञाओं का अध्ययन करेंगे।

बच्चो ! जिन शब्दों से किसी व्यक्ति, वस्तु अथवा स्थान के गुण, दोष भाव या अवस्था का बोध होता है, वे भाववाचक संज्ञा कहलाते हैं। जैसे :- बुढ़ापा, वीरता, ईमानदारी, मिठास, कायरता, बचपन आदि।

भाववाचक संज्ञाओं की रचना पाँच प्रकार के शब्दों से की जा सकती है :-

(क) जातिवाचक संज्ञा से

(ख) सर्वनाम से

(ग) विशेषण से

(घ) क्रिया से

(ङ) अव्ययों अथवा अविकारी शब्दों से।

बच्चो ! पिछली बार आपने संज्ञा शब्दों से एवं सर्वनाम शब्दों से भाववाचक संज्ञा बनाना सीखा था। इस बार हम विशेषण से भाववाचक बनाना सीखेंगे। आप सभी इन्हें अपनी- अपनी व्याकरण की पुस्तिका में बोल- बोल कर लिखोगे।

कक्षा - नौवीं शिक्षिका - श्रीमती कल्पना शर्मा

विषय - हिन्दी व्याकरण (भाववाचक संज्ञा)

विशेषण	भाववाचक संज्ञा
आवश्यक	आवश्यकता
आलसी	आलस्य
उचित	औचित्य
एक	एकता
दुष्ट	दुष्टता
दुर्बल	दुर्बलता
विवश	विवशता
निर्बल	निर्बलता
निर्भय	निर्भयता
कम	कमी
कठिन	कठिनता / कठिनाई
कायर	कायरता
कृतज्ञ	कृतज्ञता
अच्छा	अच्छाई
ईर्ष्यालु	ईर्ष्या
ऊँचा	ऊँचाई
कड़वा	कड़वाहट
दीर्घ	दीर्घता
वीर	वीरता
नीच	नीचता
न्यून	न्यूनता
काला	कालापन / कालिमा
कठोर	कठोरता
नपुंसक	नपुंसकता
प्यासा	प्यास
पागल	पागलपन
पूर्ण	पूर्णता
कृपण	कृपणता
कुशल	कुशलता

विशेषण	भाववाचक संज्ञा
कंजूस	कंजूसी
खट्टा	खटास / खटाई
बेईमान	बेईमानी
गंभीर	गंभीरता / गांभीर्य
गुरु	गुरुता / गुरुत्व
चतुर	चतुराई / चातुर्य
ठंडा	ठंडक / ठंड
ढीठ	ढिठाई
निपुण	निपुणता / नैपुण्य
मस्त	मस्ती
मोटा	मोटापा
सफल	सफलता
मांसल	मांसलता
युवा	यौवन
सफ़ेद	सफ़ेदी
लंबा	लंबाई
हरा	हरियाली
शांत	शांति
वृद्ध	वार्द्धक्य
चिकना	चिकनाहट
मीठा	मिठास
बुरा	बुराई
दुखी	दुख
बुद्धिमान	बुद्धिमत्ता
भक्त	भक्ति
भावुक	भावुकता
गहरा	गहराई
भूखा	भूख
मीठा	मिठास
अधिक	आधिक्य / अधिकता

विशेषण	भाववाचक संज्ञा
बड़ा	बड़ाई , बड़प्पन
मधुर	मधुरता , माधुर्य
शुद्ध	शुद्धता
सुन्दर	सुन्दरता , सौन्दर्य
मौलिक	मौलिकता
संगी	संगति
सरल	सरलता
लाल	लाली
समान	समानता
शूर	शौर्य
विधवा	वैधव्य
वैरी	वैर
स्वस्थ	स्वास्थ्य
हिंसक	हिंसा
कर्मठ	कर्मठता

गृहकार्य

सभी छात्र अपनी - अपनी व्याकरण की पुस्तक की पृष्ठ संख्या 222 एवं 223 पर दिए विशेषण शब्दों से भाववाचक संज्ञा को (आवश्यक से कर्मठ तक) अपनी - अपनी व्याकरण की पुस्तिका में लिखेंगे एवं याद करेंगे। इस कार्य को सभी छात्र सुन्दर लिखाई में करेंगे।

धन्यवाद।

[अंतिम पृष्ठ]